B-III

L-37

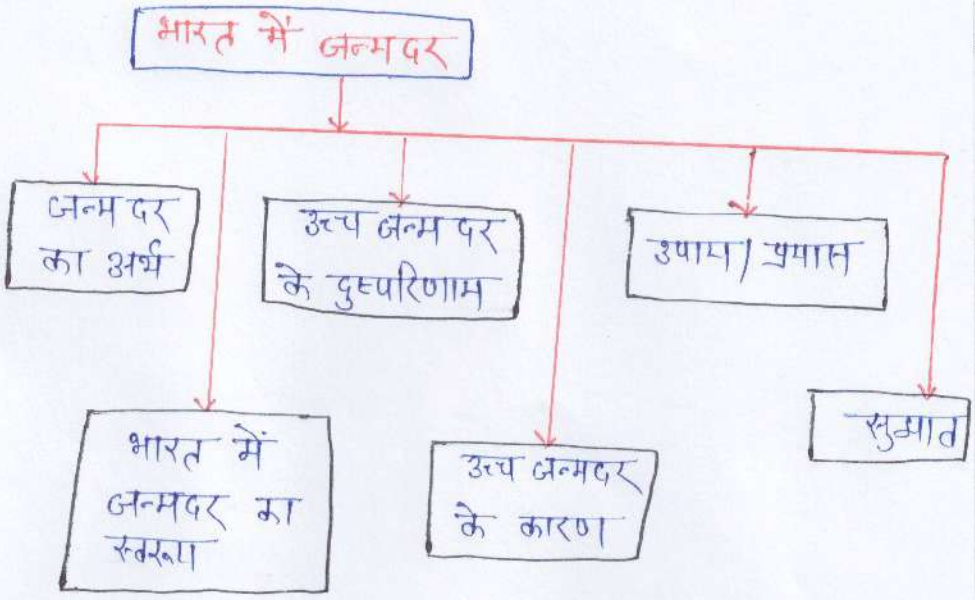

जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम, कारण, सुझाव एवं उपायों की चर्चा करें।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

संभावित प्रश्न

⇩

प्रश्न- भारत में आज भी जनसंख्या वृद्धि एक समस्या के रूप में बनी हुई है। इसके लिए उत्तरदायी कारणों की चर्चा करें।

प्रश्न- भारत में जनसंख्या नियंत्रण हेतु केरल मॉडल और चीनी मॉडल की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। इन दोनों में आप किसे उचित मानते हैं? उत्तर के पक्ष में तर्क दें।

• 11 जुलाई 2021 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तरप्रदेश की जनसंख्या नीति जारी की और उन्होनें जनसंख्या नीति पर कहा कि जो भी व्यक्ति दो बच्चो से ज्यादा परिवार नियोजन की कोशिश करेगा उसे सरकार की सभी विकास योजनाओं का लाभ नही दिया जायेगा साथ ही वह स्थानीय निकाय का चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य होगा।

प्रश्न- वर्तमान भारत में जनसंख्या वृद्धि ने न केवल समस्याओं को उत्पन्न किया है बल्कि विकास की नवीन संभावनाओं को भी जन्म दिया है। चर्चा कीजिए?

प्रश्न- भारत की विशाल जनसंख्या आर्थिक विकास हेतु साधक है या बाधक है? इस पर अपना पक्ष प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न- आर्थिक पिछड़ापन जनसंख्या वृद्धि का कारण है अथवा परिणाम? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न- आज जनसंख्या को एक बोझ की तरह नही, बल्कि एक संसाधन की तरह देखा जा रहा है। इस संदर्भ में परिवार नियोजन कार्यक्रम के औचित्य का परीक्षण कीजिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं आर्थिक विकास

(A) आर्थिक विकास का जनसंख्या वृद्धि पर प्रभाव :-

(1) नकारात्मक प्रभाव -

आर्थिक विकास का मध्य स्तर -
चिकित्सा सुविधाओं का विकास - फलत: मृत्युदर में कमी
परन्तु जन्मदर यथावत / उच्च

फलत: जनसंख्या वृद्धि तीव्र
(भारत में 1921 से 1971 तक का काल)

(b) सकारात्मक प्रभाव -

आर्थिक विकास का उच्च स्तर -
जीवन के स्तर में सुधार - स्वास्थ्य एवं शिक्षा के स्तर में सुधार तथा लोगों की सोच तार्किक एवं वैज्ञानिक। फलत: मृत्युदर में कमी के साथ-साथ जन्मदर में कमी।

फलत: जनसंख्या वृद्धि स्थिर (अनुकुलतम जनसंख्या)
(भारत में 1971 के बाद मुख्यत: 1991 के बाद का काल)

जनसंख्या वृद्धि का आर्थिक विकास पर प्रभाव :-

(1) नकारात्मक प्रभाव :-
जनसंख्या वृद्धि तीव्र

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

संसाधनों का कम पड़ जाना - गरीबी एवं बेरोजगारी में वृद्धि तथा आश्रित जनसंख्या में वृद्धि
फलतः आर्थिक विकास पुष्प्रभावित

(b) सकारात्मक प्रभाव -

जनसंख्या वृद्धि तीव्र -
श्रम शक्ति के आपूर्ति में वृद्धि - मानव पूँजी का निर्माण - उत्पादन में वृद्धि तथा विस्तृत बाजार उपलब्ध

फलतः आर्थिक विकास सकारात्मक रूप से प्रभावित

भारत के सन्दर्भ में सुझाव

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

समकालीन भारत की जनसंख्या वृद्धि की स्थिति और आर्थिक विकास के स्तर के सन्दर्भ में - भारत की जनसंख्या नीति में दोनो पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए -

- एक तरफ जन्मदर को कम करने हेतु प्रयास द्वारा जनसंख्या वृद्धि को स्थिर बनाने पर बल
- तो दूसरी तरफ विद्यमान जनसंख्या को संसाधन के रूप में विकसित करके आर्थिक विकास में सहायक बनाने पर बल दिया जाना चाहिए।